अध्याय–15

शिक्षा

प्रसन्न और प्रफुल्लित जीवन केवल ज्ञान और विज्ञान के आधार पर ही संभव है।

. डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन

किसी देश का भविष्य उसके विद्यालयों की कक्षाओं में गढ़ा जाता है। एक प्रभावी शिक्षा प्रणाली लागू करना, शिक्षा के प्रति समर्पित दृष्टिकोण के साथ, जैसे सब के लिए समान शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराना, अनुकूल पाठ्यक्रम पर बल देने के साथ शिक्षा को आनंदप्रद अनुभव बनाने की शैक्षणिक तकनीक और संवाद प्रक्रिया शामिल करने पर आधारित है। इसलिए शिक्षा प्रणाली का उद्देश्य रचनात्मकता, निर्णय लेने की क्षमता, संप्रेषण क्षमता, समन्वय, नेतृत्व और टीमवर्क की भावना विकसित करना होना चाहिए।

1.2 नई शिक्षा नीति 2020 भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में बहुविषयक और अनुसंधान के नियमन, प्रशासन और संवर्द्धन प्रणालीबद्ध और संस्थागत सुधार पर बल देती है। इसके अलावा पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सुलभता और विश्वसनीयता को बढ़ावा देती है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार पहले से ही समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने और वर्ष 2030 (जैसा कि सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी–04)–2030 एजेंडे में दर्शाया गया है) तक सबके लिए जीवनपर्यन्त अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में प्रयास कर रही है।

1.3 रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार शिक्षा क्षेत्र में भारी सार्वजनिक निवेश के जरिए विद्यार्थी को एक बेहतर मनुष्य बनाने की दिशा में लगातार अथक प्रयास कर रही है। सरकार का उद्देश्य विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों का विकास करना और उन्हें देश का उत्तरदायी नागरिक बनाना है। सरकार के कुल वार्षिक बजट का लगभग एक चौथाई हिस्सा स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा के लिए तथा दिल्ली में शिक्षा से संबंधित बुनियादी सुविधाओं में विकास के लिए रखा गया है। बजट व्यय का लक्ष्य शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना, शिक्षकों में उच्च कौशल सृजित करना, नवाचारी शिक्षण विधियों को प्रोत्साहित करना तथा खेल कूद प्रतिभाओं को बढ़ावा देना है।

1.4 दिल्ली में 5619 मान्यता प्राप्त विद्यालय हैं जिनमें करीब 45.72 लाख विद्यार्थी हैं। दिल्ली में 1250 सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल हैं, यह संख्या राजधानी में चल रहे कुल विद्यालयों का 22. 24 प्रतिशत है। सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में विद्यार्थियों के पंजीकरण का हिस्सा वर्ष 2021–22 के दौरान दिल्ली में चल रहे सभी स्कूलों के कुल पंजीकरण का 41.64 प्रतिशत है।

1.5 शिक्षा निदेशालय का लक्ष्य दिल्ली में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण, सतत और समावेशी शिक्षा उपलब्ध कराना है। यह लक्ष्य प्राप्त करने के लिए हाल के वर्षों में कई नई पहल की गई हैं। इनमें दिल्ली के सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचा सुविधाओं का विकास और आसपास के माहौल को बेहतर बनाना, अध्यापन कला में सुधार, सतत संपर्क प्रयासों से माता–पिता/समुदाय को शामिल करना, गहन शिक्षक प्रशिक्षण और सबसे बढ़ कर लक्षित शिक्षण विधियों से सीखने में कठिनाई वाले बच्चों की मदद करना

और उनकी समस्याओं को दूर करने का प्रयास करना, शिक्षण सामग्री और आकलन साधनों की री–डिजाइनिंग शामिल है।

1.6 दिल्ली के शिक्षा मॉडल की, न केवल देश में बल्कि पूरे विश्व में व्यापक सराहना हो रही है। स्कूली शिक्षा प्रणाली में शिक्षण से संबंधित अभिनव रणनीतियों ने दिल्ली के शिक्षा मॉडल को अनूठा बना दिया है, जिसके माध्यम से पढ़ाई लिखाई को अधिक रुचिकर और आनंददायक बना कर बच्चों के शिक्षण अनुभव में लगातार सुधार लाया जा रहा है। हैपीनेस पाठ्यक्रम ने बच्चों में सहानुभूति, विवेकपूर्ण सोच विचार, समस्याओं को हल करने का तरीका, समाज में सार्थक संबंध विकसित करने के लिए संवाद और सहयोग जैसे कौशल विकसित करने में मदद की है। स्कूलों में चुनौती, मिशन बुनियाद, प्रगति शिक्षण सामग्री, स्पोकन इंग्लिश कक्षाएं जैसे कई गुणवत्तापूर्ण सुधार कार्यक्रमों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

1.7 दिल्ली के सरकारी स्कूलों में ऊंची गुणवत्ता की बुनियादी ढांचा सुविधाओं– जैसे स्मार्ट क्लास, तरणताल, कक्षा पुस्तकालय, व्यावसायिक प्रयोगशालाएं और इन जैसी अन्य सुविधाओं ने इन स्कूलों को निजी स्कूलों के समकक्ष बना दिया है। दूसरी तरफ लगभग 20 हजार से अधिक अतिरिक्त क्लास रूम बनाए गए हैं और इनमें कक्षाएं चल रही हैं। अन्य अतिरिक्त क्लासरूम का निर्माण कार्य तेजी से जारी है और मार्च 2023 तक इसके पूरा हो जाने की संभावना है। इनके अतिरिक्त लगभग 27 नए स्कूल भवनों का निर्माण अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ पूरा हो चुका है। 20 और स्कूल भवनों के निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग को मंजूरी जारी की जा चुकी है और आठ नए विद्यालय भवनों के लिए डीटीटीडीसी को मंजूरी भेजी जा चुकी है। इनसे संबंधित कार्य पूरी तेजी से चल रहा है और जल्दी ही इनके पूरा हो जाने की संभावना है। इसके अलावा विभिन्न सरकारी स्कूलों में विज्ञान केंद्र, अनुभव से सीखने संबंधी केंद्र और अत्याधुनिक मॉटेसरी लैब की स्थापना पर काम चल रहा है। 728 स्कूल भवनों में से 619 में सीसीटीवी कैमरा लगाने का काम पूरा हो चुका है और 19 स्कूलों में यह काम चल रहा है। शेष 90 स्कूल भवनों में यह काम स्थल उपलब्धता के बाद शुरू हो जाएगा।

1.8 28 सितंबर 2021 को दिल्ली सरकार के सभी स्कूलों में देशभक्ति पाठ्यक्रम की शुरूआत की गई थी, जिसका उद्देश्य बच्चों को सच्चा देशभक्त बनाना है। केजी से 12वीं कक्षा तक के इस पाठ्यक्रम में भारतीय संविधान में निहित समानुभूति, सहिष्णुता और भाइचारा की भावना पर बल दिया जाता है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में सामूहिक दायित्व की भावना विकसित करता है। वर्ष 2022–23 के दौरान शत–प्रतिशत स्कूलों ने अपने सिलेबस में देशभक्ति पाठ्यक्रम लागू कर दिया है।

1.9 बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार का सुचारू माहौल सृजित करने के लिए माता–पिता, बच्चों और शिक्षकों के बीच व्यापक बैठकों के आयोजन, स्कूल प्रबंधन समितियों के पुनर्गठन से सद्भावपूर्ण संबंध विकसित किया गया है। सरकारी स्कूलों के शिक्षकों और स्कूल लीडर्स को विश्व के कुछ सर्वाधिक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से सीखने का अवसर प्रदान किया गया है। इनमें अन्य संस्थानों के अलावा कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, हार्वर्ड विश्वविद्यालय और एनआईई सिंगापुर शामिल हैं। शिक्षा क्षेत्र में सरकार के सतत और अथक प्रयासों से परीक्षा परिणामों में सरकारी स्कूलों के बच्चों के पास होने का प्रतिशत काफी बढ़ा है। वर्ष 2021–22 में यह सेकेंडरी स्तर पर 97 प्रतिशत और उच्चतर माध्यमिक स्तर 98 प्रतिशत रहा।

1.10 शिक्षा क्षेत्र में सरकार की रणनीतियों से गुणवत्तापूर्ण सुलभ शिक्षा तक सबकी पहुंच सुनिश्चित हो रही है। स्कूल ड्रॉपआउट रोकना तथा विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपस्थिति में सुधार लाना, ऑनलाइन इनकी उपस्थिति पर निगरानी, राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण के पैटर्न पर राज्य उपलब्धि सर्वेक्षण के लिए शिक्षण परिणामों का समय–समय पर आकलन, शिक्षा विज्ञान और पाठ्यक्रम में लगातार शोध और सुधार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए उच्च कौशल प्राप्त और प्रशिक्षित शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना, सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी स्तर पर नामांकन में बढ़ोतरी और प्रति वर्ष शिक्षा क्षेत्र को वार्षिक बजट का सबसे बड़ा हिस्सा आवंटित करना सुनिश्चित हुआ है।

1.11 (i) शिक्षा क्षेत्र में निवेश से इस क्षेत्र को मुख्य प्राथमिकता देने का सरकार का निर्णय निम्नलिखित विवरण 15.1 से स्पष्ट है :

विवरण 15.1
दिल्ली के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के प्रतिशत के रूप में शिक्षा पर व्यय

(करोड़ रुपये में)

क्र.स.	वर्ष	शिक्षा पर व्यय	कुल बजट	कुल बजट में व्यय की प्रतिशत हिस्सेदारी	प्रचलित मूल्यों पर दिल्ली का जीएसडीपी	दिल्ली के जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में शिक्षा पर व्यय
1.	2014-15	6554.82	30940.10	21.19	494803	1.32
2.	2015-16	7755.89	35195.52	22.03	550804	1.41
3.	2016-17	9119.24	37263.36	24.47	616085	1.48
4.	2017-18	9947.54	40926.85	24.31	677900	1.47
5.	2018-19	10613.32	46245.89	22.95	738389	1.44
6.	2019-20	11829.23	51186.26	23.11	792911	1.49
7.	2020-21	10655.75	52468.04	20.31	763435	1.40
8.	2021-22 (आर.ई.)	14420.15	67000.00	21.52	904642	1.59
9.	2022-23 (बी.ई.)	15506.75	75800.00	20.46	1043759	1.49

स्रोत : बजट दस्तावेज और डीईएस

(ii) खेल–कूद तथा कला और संस्कृति सहित शिक्षा का कुल व्यय (योजना और गैर–योजना) 2014–15 के 6554.82 करोड़ रुपये से बढ़कर 2022–23 में 15506.75 करोड़ रुपये हो गया है। 2022–23 में दिल्ली सरकार के कुल बजट में शिक्षा क्षेत्र पर व्यय 20.46 प्रतिशत है। वर्ष 2022–23 में शिक्षा क्षेत्र पर व्यय दिल्ली के सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 1.49 प्रतिशत है। शिक्षा व्यय में वर्षवार वृद्धि चार्ट 15.1 में दर्शायी गई है।

चार्ट 15.1
शिक्षा पर व्यय

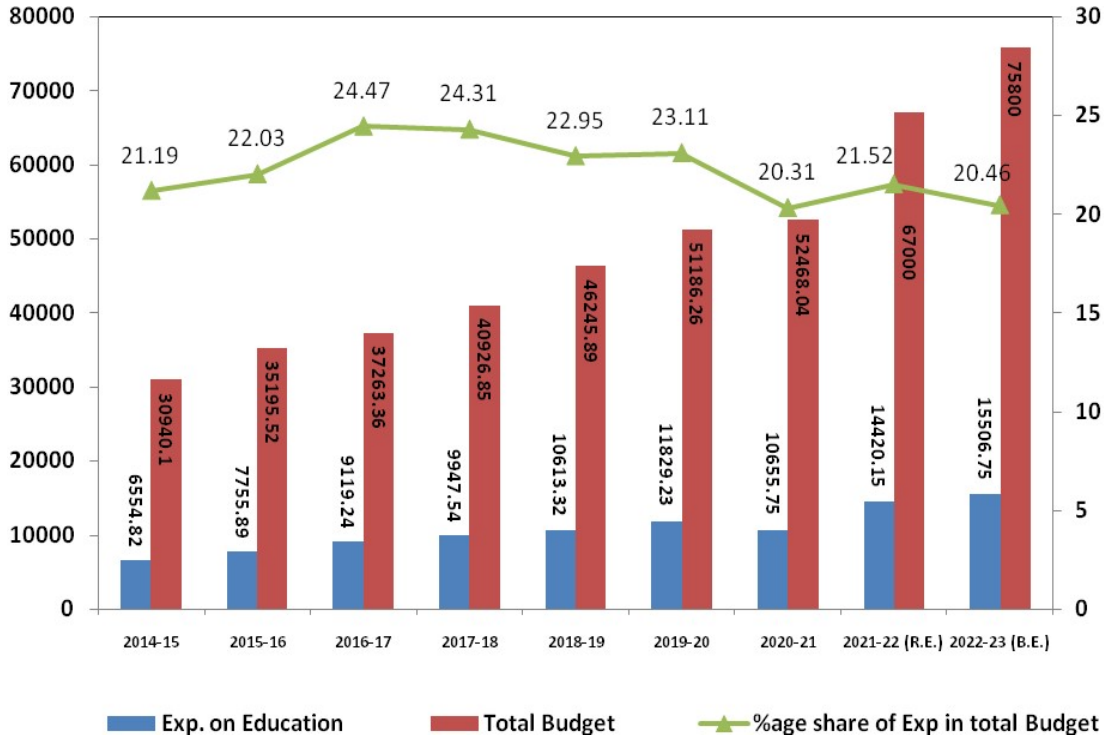

2. शिक्षा पर राज्यों का व्यय–भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा राज्यों के बजट विश्लेषण के अनुसार

2.1 भारतीय रिजर्व बैंक की राज्य बजट विश्लेषण रिपोर्ट से यह स्पष्ट है कि देश के सभी राज्यों में से रा. रा.क्षे. दिल्ली सरकार अपने बजट का सबसे बड़ा हिस्सा शिक्षा क्षेत्र पर व्यय कर रही है। 2022–23 के दौरान दिल्ली शिक्षा क्षेत्र के लिए बजट अनुमान के 20.5 प्रतिशत के साथ शीर्ष पर था। इसके बाद असम (19.6 प्रतिशत) और छत्तीसगढ़ (17.8 प्रतिशत) का स्थान था। 2022–23 में राष्ट्रीय औसत 13.6 प्रतिशत था।

2.2 राज्यों के बजट विश्लेषण पर रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार शिक्षा क्षेत्र में दिल्ली का बजट आवंटन सर्वाधिक है। नीचे दिए गए विवरण 15.2 में पिछले 8 वर्षों में कुछ राज्यों के समग्र व्यय में से शिक्षा पर हुए खर्च का हिस्सा प्रदर्शित किया गया है।

विवरण 15.2
समग्र व्यय के प्रतिशत रूप में शिक्षा पर व्यय

(प्रतिशत में)

क्र. स.	राज्य	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22 (आरई)	2022-23 (बीई)
1.	गुजरात	15.2	14.5	14.1	14.0	13.7	13.6	13.4	12.7
2.	हरियाणा	12.3	13.7	13.4	13.2	13.5	13.0	11.0	11.2
3.	कर्नाटक	13.6	12.5	12.0	11.4	12.4	10.8	11.7	12.0
4.	केरल	16.0	16.2	16.3	15.1	15.2	11.4	14.3	13.1
5.	महाराष्ट्र	19.2	17.7	17.0	15.6	17.2	15.6	14.4	14.7
6.	असम	25.5	22.0	21.6	21.8	19.4	20.7	16.2	19.6
7.	हिमाचल प्र.	16.3	15.2	17.6	16.5	16.2	15.7	16.5	17.6
8.	छत्तीसगढ़	18.6	19.6	18.5	17.4	18	16.8	17.5	17.8
9.	तमिलनाडु	15.5	13.0	14.4	13.9	15	13.3	12.1	12.2
10.	उत्तर प्रदेश	15.5	16.7	14.8	12.4	14.6	14.5	11.9	12.4
11.	दिल्ली	**21.8**	**24.2**	**24.2**	**22.8**	**23.1**	**20.3**	**21.5**	**20.5**
	अखिल भारत	15.3	14.7	15.0	14.4	15.1	14.3	13.6	13.6

स्रोत : भारतीय रिजर्व बैंक वेबसाइट में राज्य बजट विश्लेषण रिपोर्ट (जनवरी 2023)

3. साक्षरता

3.1 साक्षरता दर, 7 वर्ष और ऊपर के लोगों में साक्षर लोगों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया जाता है। एक व्यक्ति, जो पढ़ सकता है और किसी भी भाषा में सरल संदेश, उसे समझते हुए लिख सकता है, उसे साक्षर माना जाता है।

3.2 2011 की जनगणना के अनुसार दिल्ली में साक्षरता दर 86.2 प्रतिशत थी। इसमें पुरुष साक्षरता दर 90.9 प्रतिशत और महिला साक्षरता दर 80.8 प्रतिशत थी। यह 73 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत से काफी ऊपर थी, जिसमें पुरुष साक्षरता दर 80.9 प्रतिशत और महिला साक्षरता दर 64.6 प्रतिशत थी। दिल्ली में साक्षरता में स्त्री–पुरुष अंतराल 2001 के 12.62 प्रतिशत से कम होकर 2011 में 10.1 पर आ गया।

3.3 राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ), भारत सरकार ने ''परिवार सामाजिक उपभोग : शिक्षा'' पर एनएसएस की 75वीं रिपोर्ट प्रकाशित की है, जिसमें 8000 गांवों और 6000 शहरी प्रखंडों में 1.13 लाख परिवारों का सर्वेक्षण किया गया है। यह रिपोर्ट जुलाई 2017 से जून 2018 के बीच प्राप्त डेटा पर आधारित है।

3.4 75वीं एनएसएस रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली 88.7 प्रतिशत साक्षरता दर के साथ केरल के बाद दूसरे स्थान पर है। दिल्ली में पुरुष साक्षरता दर 93.7 प्रतिशत और महिला साक्षरता दर 82.4 प्रतिशत है। ये दोनों दरें अखिल भारतीय साक्षरता दर से अधिक हैं। देश की औसत साक्षरता दर 77.7 प्रतिशत है, जिसमें पुरुष साक्षरता दर 84.7 प्रतिशत और महिला साक्षरता दर 70.3 प्रतिशत है।

3.5 दिल्ली में साक्षरता में लगातार सुधार हो रहा है और इसके साथ ही साक्षरता अंतराल कम होता जा रहा है। यह सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए सुधार के लिए शिक्षा क्षेत्र में किए गए अथक प्रयासों का परिणाम है। महिला और पुरुष दोनों साक्षरता दर में बढ़ोतरी का रुख है। 1991 में 75.29 प्रतिशत की साक्षरता दर बढ़ कर 2011 में 86.2 प्रतिशत हो गई और वर्ष 2017–18 में और बढ़ोतरी के साथ 88.7 प्रतिशत पर पहुंच गई। लेकिन पुरुष और महिला साक्षरता दर के बीच 11 प्रतिशत का अंतराल अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है, जिसका समाधान जरूरी है।

4. शैक्षिक संस्थानों का नेटवर्क और सभी प्रबंधन द्वारा संचालित स्कूलों में नामांकन

सभी प्रकार के प्रबंधन जैसे स्थानीय निकायों, केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और निजी क्षेत्र की एजेंसियों द्वारा संचालित शैक्षिक संस्थानों के नेटवर्क की जानकारी विवरण 15.3 में दर्शायी गयी है :

विवरण 15.3

क्र सं	संकेतक	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
1.	**शैक्षिक संस्थान**							
	पूर्व प्राथमिक+प्राथमिक	2779	2735	2745	2718	2682	2653	2594
	मिडिल	940	933	905	872	867	855	826
	माध्यमिक	393	400	374	367	359	357	357
	उच्च माध्यमिक	1684	1704	1736	1769	1783	1801	1842
	कुल	**5796**	**5772**	**5760**	**5726**	**5691**	**5666**	**5619**
2.	**स्कूलों में नामांकन** (लाख में)							
	पूर्व प्राथमिक+प्राथमिक	21.02	20.83	20.63	20.79	21.08	20.01	20.08
	मिडिल	11.20	11.27	11.21	11.23	11.39	11.53	11.91
	माध्यमिक	6.92	7.41	7.00	7.31	7.27	7.62	7.25
	उच्च माध्यमिक	5.16	4.92	5.09	4.86	5.02	5.63	6.48
	कुल	**44.30**	**44.43**	**43.93**	**44.19**	**44.76**	**44.79**	**45.72**
3.	अध्यापक							
	पूर्व प्राथमिक+प्राथमिक	29577	28989	28048	27662	27040	26244	26262
	मिडिल	12315	12657	12392	12431	12905	11865	10657
	माध्यमिक	10292	9401	9512	9805	9829	9202	8563
	उच्च माध्यमिक	93909	97224	97291	105848	107944	104893	106118
	कुल	**146093**	**148271**	**147243**	**155746**	**157718**	**152004**	**151600**
4.	विद्यार्थी शिक्षक अनुपात	**30**	**30**	**30**	**28**	**28**	**29**	**30**

स्रोत : शिक्षा निदेशालय, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार

5. दिल्ली सरकार के शैक्षिक संस्थानों का नेटवर्क और पंजीकरण

5.1 दिल्ली में दिल्ली सरकार के अंतर्गत कुल 1250 सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल हैं, जो दिल्ली में चल रहे कुल स्कूलों का 22.24 प्रतिशत हैं। 2021–22 के दौरान सभी स्कूलों में कुल दाखिलों में सरकारी और सरकार से सहायता प्राप्त स्कूलों की हिस्सेदारी 41.64 प्रतिशत रही।

5.2 दिल्ली सरकार के अंतर्गत संचालित विद्यालयों की संख्या और नामांकन की स्थिति विवरण 15.4 दी गई है।

विवरण 15.4

क्र सं	स्केतक	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
क	दिल्ली सरकार के स्कूलों की संख्या	**1011**	**1017**	**1019**	**1022**	**1026**	**1027**	**1047**
	कुल नामांकन (लाख में)	15.09	15.28	14.81	14.98	15.19	16.20	17.62
	लड़के	7.14	7.18	6.91	7.01	7.13	7.74	8.63
	लड़कियां	7.95	8.10	7.90	7.97	8.00	8.46	8.99
ख	सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों की संख्या	**211**	**211**	**208**	**207**	**204**	**204**	**203**
	कुल नामांकन (लाख में)	1.68	1.57	1.55	1.49	1.45	1.43	1.42
	लड़के	0.85	0.83	0.82	0.78	0.75	0.74	0.74
	लड़कियां	0.83	0.74	0.73	0.71	0.70	0.69	0.68

स्रोत : शिक्षा निदेशालय, रा.रा.क्षे.दि.सरकार

5.3 राज्य सरकार ने सरकारी स्कूलों में स्वच्छता में सुधार, सुरक्षा, बिजली, शौचालय और पीने के पानी की सुविधा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया है। सभी स्कूलों में पीने के पानी की सुविधा, शौचालय, चारदीवारी और बिजली कनेक्शन उपलब्ध हैं। नीचे दी गई तालिका से संकेत मिलता है कि खेलकूद मैदान जैसी कुछ सुविधाओं में सुधार की गुंजाइश है।

विवरण 15.5

दिल्ली के स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति

निम्नांकित सुविधाएं रखने वाले स्कूलों का प्रतिशत	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
खेल का मैदान	87.40	87.37	88.06	85.89	88.28	93.27	96.47
बाउंडरी वाल	99.50	99.90	99.88	100.00	100.00	100.00	100.00
लड़कियों के लिए शौचालय	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00
लड़कों के लिए शौचालय	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00
पेयजल सुविधा	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00
विद्युत कनेक्शन	99.90	99.90	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00
कम्प्यूटर सुविधा	83.90	87.18	88.82	89.26	97.56	100.00	100.00

स्रोत : यूडीआईएसई 2021–22

6. सकल दाखिला अनुपात (जीईआर)/निवल दाखिला अनुपात (एनईआर)

6.1 सकल दाखिला अनुपात की गणना किसी निर्दिष्ट कक्षा या कक्षाओं के समूह में निर्दिष्ट आयु समूह के विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात के रूप में की जाती है। दूसरी ओर निवल दाखिला अनुपात निर्दिष्ट शैक्षिक स्तर के लिए आधिकारिक आयु समूह का दाखिला है, जो उस आयु समूह की संबंधित आबादी के प्रतिशत के रूप में दर्शाया जाता है।

6.2 यूडीआईएसई+ रिपोर्ट के अनुसार, 2021–22 में दिल्ली में प्राथमिक शिक्षा में सकल दाखिला अनुपात शिक्षा के सभी स्तरों पर अखिल भारतीय स्तर की तुलना में अधिक है। विभिन्न स्तरों पर जीईआर नीचे दिया गया है–

विवरण 15.6

शिक्षा वर्ष 2021–22 में सकल नामांकन अनुपात

शिक्षा स्तर	दिल्ली			अखिल भारत		
	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल
प्राइमरी	112.41	120.05	115.88	102.12	104.82	103.39
अपर प्राइमरी	128.25	131.73	129.86	94.45	94.90	94.67
एलिमेंट्री,	118.34	124.50	121.15	99.28	101.06	100.13
सेकेंडरी	110.45	112.15	111.24	79.72	79.40	79.56
हायर सेकेंडरी	91.18	99.46	95.01	56.95	58.23	57.56

(स्रोत : यूडीआईएसई +रिपोर्ट)

6.3 **निवल नामांकन अनुपात (एनईआर)** : नीचे दी गई तालिका में यह देखा जा सकता है कि 2021–22 के दौरान निवल दाखिला अनुपात–एनईआर में दिल्ली की स्थिति में सुधार आया और यह सभी स्तरों पर राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक है। इस प्रकार विवरण 15.6 और 15.7 दर्शाते हैं कि दिल्ली जीईआर और एनईआर के संदर्भ में अखिल भारतीय आंकड़ों से काफी आगे है।

विवरण 15.7

शैक्षणिक वर्ष 2021–22 में निवल नामांकन अनुपात

शिक्षा का स्तर	दिल्ली			अखिल भारत		
	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	कुल
प्राइमरी	97.47	100.00	100.00	87.35	90.00	88.60
अपर प्राइमरी	97.24	100.00	98.84	71.00	71.66	71.32
एलिमेंट्री,	100.00	100.00	100.00	89.67	91.49	90.54
सेकेंडरी	70.40	72.92	71.57	47.89	48.00	47.94
हायर सेकेंडरी	56.72	62.36	59.33	33.54	34.95	34.22

6.4 75वें एनएसएस सर्वेक्षण (जुलाई 2017–जून 2018) के अनुसार दिल्ली और अखिल भारत का निवल उपस्थिति अनुपात विवरण 15.8 में दर्शाया गया है।

विवरण : 15.8

शिक्षा का स्तर	दिल्ली (ग्रामीण+शहरी)			अखिल भारत (ग्रामीण+शहरी)		
	पुरुष	महिला	व्यक्ति	पुरुष	महिला	व्यक्ति
प्राइमरी	92.8	85.5	89.8	86.8	85.1	86.1
अपर प्राइमरी	80.3	65.8	73.1	72.5	71.8	72.2
सेकेंडरी	57.9	71.0	62.4	57.9	57.3	57.6
हायर सेकेंडरी	56.0	50.9	54.0	43.9	42.7	43.4
पोस्ट हायर सेकेंडरी	20.3	27.5	23.4	21.1	17.6	19.4

विवरण 15.8 और चार्ट 15.2 दर्शाते हैं कि दिल्ली का निवल उपस्थिति अनुपात (एनएआर) सभी स्तरों पर अखिल भारतीय एनएआर से अधिक है।

चार्ट 15.2

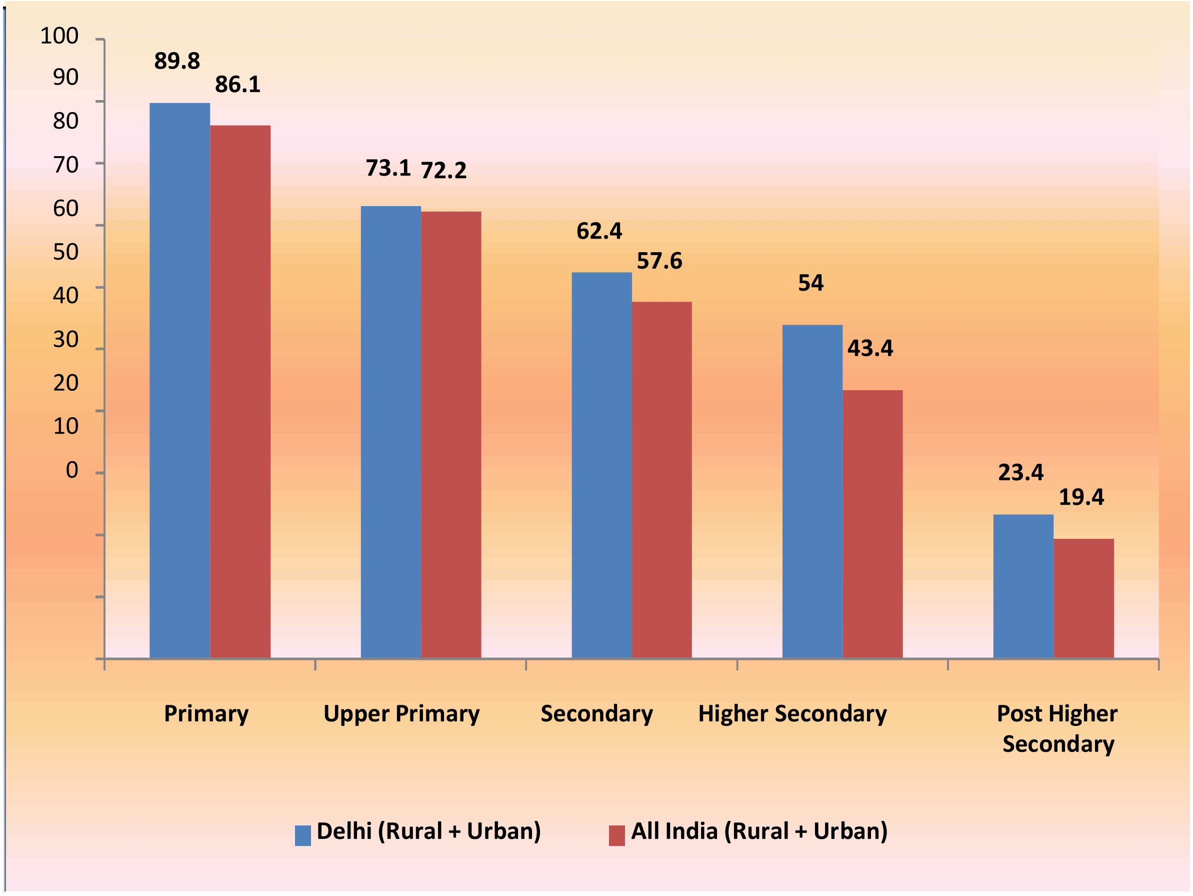

7. विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियां

राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण स्कूली शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर शैक्षणिक उपलब्धियों और परिणामों के आकलन के लिए कराया जाता है ताकि प्राथमिक स्कूल शिक्षा प्रणाली में सुधार लाया जा सके। एनएएस रिपोर्ट 2021 के अनुसार दिल्ली में कक्षा 8 और कक्षा 10 के विद्यार्थियों का प्रदर्शन सभी विषयों में राष्ट्रीय औसत से ऊपर था। जबकि कक्षा 3 और कक्षा 5 में यह प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत से नीचे था। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में लड़कियों ने लड़कों की अपेक्षा बेहतर प्रदर्शन किया। राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विषयवार और कक्षावार औसत प्रदर्शन विवरण 15.9 में दर्शाया गया है।

विवरण : 15.9

विभिन्न विषयों में विद्यार्थियों का प्रदर्शन

(प्रतिशत में)

निम्नांकित में प्रवीणता	दिल्ली			राष्ट्रीय औसत		
	बालक	बलिका	कुल	बालक	बालिका	कुल
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
तीसरी कक्षा						
गणित	46	47	47	57	57	57
पर्यावरण विज्ञान	47	49	48	57	58	57
भाषा	51	53	52	61	63	62
पांचवीं कक्षा						
गणित	39	37	38	44	44	44
पर्यावरण विज्ञान	44	45	44	48	49	48
भाषा	51	53	52	54	56	55
आठवीं कक्षा						
भाषा	55	61	58	52	54	53
गणित	37	35	36	36	36	36
विज्ञान	41	42	42	40	39	39
सामाजिक विज्ञान	39	40	39	39	39	39
दसवीं कक्षा						
आधुनिक भारतीय भाषा	47	50	48	41	42	41
गणित	36	34	35	33	32	32
विज्ञान	40	41	41	35	35	35
सामाजिक विज्ञान	45	45	45	38	37	37
अंग्रेजी	57	60	58	43	43	43

स्रोत : राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2021

8. सकल नामांकन में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी

वर्ष 2014–15 से 2021–22 के दौरान दिल्ली में स्कूली शिक्षा में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी विवरण 15.10 में दर्शाया गया है।

विवरण : 15.10

स्कूली शिक्षा में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी

वर्ष	स्कूल (नामांकन लाख में)	प्राथमिक और मिडल	माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक	कुल
2014-15	निजी स्कूल	9.94	3.53	13.47
	कुल दाखिले	31.99	12.14	44.13
	कुल दाखिलों में निजी स्कूलों की हिस्सेदारी (प्रतिशत में)	31.07	29.08	30.52
2015-16	निजी स्कूल	10.34	3.62	13.96
	कुल दाखिले	32.22	12.08	44.30
	कुल दाखिलों में निजी स्कूलों की हिस्सेदारी (प्रतिशत में)	32.09	29.96	31.51
2016-17	निजी स्कूल	14.06	3.69	17.75
	कुल दाखिले	32.10	12.33	44.43
	कुल दाखिलों में निजी स्कूलों की हिस्सेदारी (प्रतिशत में)	43.80	29.93	39.95
2017-18	निजी स्कूल	14.51	3.81	18.32
	कुल दाखिले	31.85	12.08	43.93
	कुल दाखिलों में निजी स्कूलों की हिस्सेदारी (प्रतिशत में)	45.56	31.54	41.70
2018-19	निजी स्कूल	14.94	3.87	18.81
	कुल दाखिले	32.03	12.17	44.20
	कुल दाखिलों में निजी स्कूलों की हिस्सेदारी (प्रतिशत में)	46.64	31.80	42.56
2019-20	निजी स्कूल	15.17	3.92	19.09
	कुल दाखिले	32.47	12.29	44.76
	कुल दाखिलों में निजी स्कूलों की हिस्सेदारी (प्रतिशत में)	46.72	31.90	42.65
2020-21	निजी स्कूल	13.85	3.97	17.82
	कुल दाखिले	31.54	13.26	44.80
	कुल दाखिलों में निजी स्कूलों की हिस्सेदारी (प्रतिशत में)	43.91	29.94	39.78
2021-22	निजी स्कूल	11.18	3.81	14.99
	कुल दाखिले	31.99	13.73	45.72
	कुल दाखिलों में निजी स्कूलों की हिस्सेदारी (प्रतिशत में)	34.95	27.75	32.79

स्रोत : शिक्षा निदेशालय, रा.रा.क्षे.दि.स.

विवरण 15.10 में दर्शाए गए आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि दिल्ली में प्राइमरी और मिडिल स्तर पर कुल नामांकन में निजी स्कूलों की हिस्सेदारी में बढ़ोतरी हुई और यह वर्ष 2014–15 के 31.07 प्रतिशत से बढ़ कर 2019–20 में 46.72 प्रतिशत हो गई और 2021–22 के दौरान कम होकर 34.95 प्रतिशत पर आ गई।

जबकि सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी स्तर पर नामांकन में हिस्सेदारी वर्ष 2014–15 के 29.08 प्रतिशत से बढ़ कर 2019–20 में 31.90 प्रतिशत हो गई और 2021–22 के दौरान यह कम होकर 27.75 प्रतिशत पर आ गई।

9. दिल्ली के सरकारी स्कूलों का कार्य निष्पादन – उत्तीर्णता प्रतिशत

2015–2022 के दौरान दिल्ली में माध्यमिक और उच्च माध्यमिक दोनों ही स्तरों पर विद्यार्थियों के उत्तीर्णता प्रतिशत संबंधी सूचना विवरण 15.11 में दी गयी है :

विवरण 15.11
दिल्ली और भारत में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड –सीबीएसई के परिणामों का उत्तीर्णता प्रतिशत : 2015–2022

	क्षेत्र / कक्षा स्तर	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022
दिल्ली	माध्यमिक	95.81	89.25	92.44	68.90	71.58	82.61	97.52	97.00*
	उच्च माध्यमिक	88.11	88.91	88.27	90.64	94.24	97.92	99.95	98.00*
अखिल भारत	माध्यमिक	97.32	96.21	93.06	86.70	91.10	91.46	99.04	94.40
	उच्च माध्यमिक	82.00	83.05	82.02	83.01	83.40	88.78	99.37	92.71

* कम्पार्टमेंट रिजल्ट के बाद

स्रोत : दिल्ली स्टेटिस्टिकल हैंडबुक, 2021 और दिल्ली शिक्षा निदेशालय रा.रा. क्षेत्र दिल्ली सरकार

उपरोक्त विवरण से अनुमान लगाया जा सकता है कि उच्च माध्यमिक स्तर पर दिल्ली का उत्तीर्णता प्रतिशत पिछले आठ वर्षों के दौरान अखिल भारतीय स्तर से ऊंचा रहा है, दिल्ली ने दोनों स्तरों पर अखिल भारत से बेहतर प्रदर्शन किया है। सीनियर और सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में सरकार ने कई गुणात्मक सुधार किए हैं जैसे 'चुनौती', 'मिशन बुनियाद' 'प्रगति अध्ययन सामग्री, स्पोकन इंग्लिश क्लासेस, हैपीनेस पाठ्यक्रम इत्यादि शुरू किए हैं और सेकेंडरी स्तर पर भी परीक्षा परिणाम में पिछले वर्ष की तुलना में सुधार हुआ है।

विवरण 15.12
स्कूली शिक्षा क्षेत्र में निवेश

(करोड़ रुपये में)

क्र.स	वर्ष	शिक्षा पर व्यय	दिल्ली का कुल बजट	कुल बजट में शिक्षा व्यय की प्रतिशत	वर्तमान मूल्यों पर दिल्ली का जीएसडीपी	दिल्ली के जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में शिक्षा व्यय
1.	2014-15	6145.03	30940.10	19.86	494803	1.24
2.	2015-16	7178.57	35195.52	20.40	550804	1.30
3.	2016-17	8561.85	37263.36	22.98	616085	1.39
4.	2017-18	9208.77	40926.85	22.50	677900	1.36
5.	2018-19	9837.51	46245.89	21.27	738389	1.33
6.	2019-20	11081.09	51186.26	21.65	792911	1.40
7.	2020-21	9912.11	52468.04	18.89	763435	1.30
8.	2021-22 (सं.अ.)	13313.73	67000.00	19.87	904642	1.47
9.	2022-23 (ब.अ.)	13850.85	75800.00	18.27	1043759	1.33

स्रोत : बजट दस्तावेज और डीईएस

2022–23 में दिल्ली के सकल राज्य घरेलू उत्पाद की तुलना में शिक्षा व्यय 1.33 प्रतिशत है।

10 शिक्षा पर प्रति विद्यार्थी व्यय

दिल्ली में सरकार द्वारा प्रति विद्यार्थी शिक्षा पर वार्षिक खर्च 2016–17 में 50,812 रुपये था जो वर्ष 2021–22 (सं.अ.) में बढ़कर 69,736 रुपये हो गया। दिल्ली में शिक्षा पर प्रति विद्यार्थी व्यय के बारे में वर्ष वार जानकारी विवरण 15.13 में दी गयी है।

विवरण 15.13

दिल्ली में शिक्षा पर प्रति विद्यार्थी व्यय

वर्ष	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22 सं.अ.
व्यय (प्रति वर्ष)	50812	56288	59730	66593	56223	69736

नोट : व्यय राजस्व और पूंजी दोनों के समग्र व्यय पर आधारित है।

11. दिसंबर 2022 तक शैक्षणिक उपलब्धियां

11.1 शिक्षा निदेशालय ने कोविड महामारी के कारण स्कूलों के कामकाज में व्यवधान के बावजूद सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा में 10वीं और 12वीं स्तर दोनों के परीक्षा परिणामों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। शैक्षणिक सत्र 2021- 22 में सरकारी स्कूलों में उत्तीर्णता प्रतिशत 12वीं स्तर में 98 प्रतिशत और 10वीं स्तर पर 97 प्रतिशत रहा।

11.2 शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत शिक्षा निदेशालय ने शिक्षा सत्र 2022–23 में आर्थिक रूप के कमजोर वर्ग और वंचित वर्ग श्रेणी के विद्यार्थियों के प्रवेश के लिए केंद्रीकृत ऑनलाइन ड्रा संचालित किया और 2032 निजी, गैर सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त स्कूलों ने इस ड्रा में भाग लिया और 32406 विद्यार्थी प्रवेश स्तर पर आवंटित किये गए।

11.3 माता–पिता संपर्क कार्यक्रम (माता–पिता संवाद)

समुदाय और माता–पिता की भागीदारी की मदद से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए 28 अक्टूबर 2021 को पैरेंट्स आउटरीच प्रोग्राम की शुरूआत की गई। इस कार्यक्रम के तहत प्रत्येक शिक्षा मित्र ने अपने–अपने क्षेत्रों में 50 विद्यार्थियों के परिवारों से संपर्क कायम किया और विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास में माता–पिता का सहयोग जुटाने के उद्देश्य से स्कूलों में चल रही गतिविधियों के लिए सहयोग मांगा। लगभग 81 प्रतिशत माता–पिता (विद्यार्थियों के) 34749 एसएमसी सदस्य/ स्कूल मित्रों के संपर्क में रहे।

11.4 मिशन बुनियाद

वर्तमान सत्र 2022–23 के दौरान मिशन बुनियाद गतिविधियां नियमित स्कूल अवधि के दौरान अप्रैल माह में और समर कैंप के रूप में मई–जून 2022 के दौरान संचालित की गई। इस कार्यक्रम के तहत

अप्रैल–मई और जून 2022 में विद्यार्थियों का आकलन किया गया और कक्षा 3 से लेकर 9 तक के विद्यार्थियों के सीखने के स्तर में महत्वपूर्ण सुधार पाया गया।

शिक्षा निदेशालय और दिल्ली नगर निगम के लिए पठन और गणना स्तर पर डेटा संग्रह के लिए ऑनलाइन मिशन बुनियाद आकलन मॉड्यूल अपनाया गया। दिसंबर 2022 तक 7 चरणों में आधारभूत आकलन किए गए। इस कार्यक्रम से विद्यार्थियों के सीखने के स्तर में महत्वपूर्ण सुधार पाया गया।

11.5 स्कूल पुस्तकालयों में सुधार

- वार्षिक मेगा पुस्तक मेला (2021–22) वर्चुअल मोड में आयोजित किया गया। 614644 पुस्तकें खरीदी गईं और विद्यालय के पुस्तकालय को और समृद्ध बनाया गया।
- शिक्षा–निदेशालय के स्कूलों में पोस्ट प्राइमरी के लिए कक्षा पुस्तकालय का विस्तार किया गया। इसका उद्देश्य क्लासरूम में ही अच्छी गुणवत्ता की, आयु अनुकूल और रोचक पठन सामग्री उपलब्ध कराना है। इस परियोजना से क्लासरूम शिक्षण को मजबूती मिलेगी और यह ज्यादा संवाद आधारित और सूचनाप्रद बन सकेगा।
- शिक्षा निदेशालय के दो सरकारी स्कूलों के पुस्तकालयों में बारकोड प्रणाली पायलट आधार पर लागू की जा रही है इसका उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित ऑटोमेशन प्रक्रिया के अनुपालन में पुस्तकालय से पुस्तकों का वितरण तथा तीव्र और त्रुटिहीन देखभाल सेवा सुनिश्चित करना है।

11.6 राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के 20 सरकारी स्कूलों में पायलट परियोजना के तौर पर विद्यालय स्वास्थ्य क्लिनिक

विद्यालय स्वास्थ्य क्लिनीक की पायलट परियोजना 12 जनवरी 2022 को 20 सरकारी स्कूलों में और कई अन्य सेवाओं के साथ शुरू की गई। इसमें स्कूल के विद्यार्थियों और शिक्षकों की स्वास्थ्य जांच और रेफर सेवा उपलब्ध कराई गई। यह पायलट परियोजना 30 जून 2022 को संपन्न हुई।

इस शुरूआती परियोजना के अनुभव के आधार पर डीजीएचएस और शिक्षा निदेशालय ने स्कूल स्वास्थ्य क्लिनिक प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाया और जुलाई 2022 से दिल्ली के 20 सरकारी स्कूलों में स्वास्थ्य क्लिनिक में डॉक्टर,पीएचएनओ और सहायकों ने काम शुरू कर दिया।

11.7 उद्यमिता माइंडसेट पाठ्यक्रम (ईएमसी)

बिजनेस ब्लास्टर 11वीं और 12वीं कक्षा के उद्यमिता रूचि पाठ्यक्रम का व्यावहारिक भाग है। इसके तहत भाग लेने वाले छात्रो को रू 2000 (प्रति विद्यार्थी), की सीड मनी दी जाती है ताकि वे टीम में काम करें और वास्तविक जीवन में अपनी उद्यमिता रूचि को लागू करते हुए किसी नवाचारी बिजनेस आइडिया को कार्यान्वित कर सकें। बाद में वे अपनी उद्यमिता रूचि को अपने पड़ोस में किसी सामाजिक समस्या के समाधान में या लाभ कमाने के उद्देश्य से कार्यान्वित कर सकते हैं। वर्ष 2022–23 के दौरान दिल्ली के सरकारी स्कूलों के 79 प्रतिशत विद्यार्थियों ने अपना बिजनेस प्लान सौंपा और उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) के तहत सीड मनी के रूप में 2000 रुपए प्राप्त किए।

11.8 **समावेशी शिक्षा**

वर्ष 2021–22 के दौरान 2204 स्कूल छोड़ने वाले दिव्यांग बच्चों को घर पर ही शिक्षा उपलब्ध कराई गई। वर्ष 2021–22 में लगभग 293 स्कूल छोड़ने वाले दिव्यांग बच्चों की पहचान की गई। इस दौरान शिक्षा निदेशालय के सभी जिलों के अंतर्गत सरकारी स्कूलों में पढ रहे विशेष आवश्यकता वाले बच्चों चिकित्सकीय जरूरते पूरी करने के लिए 14 संसाधन केंद्र शुरू किए गए।

11.9 समग्र शिक्षा भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसके अंतर्गत शिक्षकों की भर्ती, बुनियादी ढांचा, प्रशिक्षण, पाठ्य पुस्तक इत्यादि के लिए सहयोग उपलब्ध कराया जाता है। वर्ष 2018–19 से समग्र शिक्षा योजना के अंतर्गत 3 सीएसएस स्कीम–एसएसए, आरएमएसए और अध्यापक शिक्षा समाहित की गई है।

- यह स्कीम 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध कराकर समयबद्ध सीमा में प्राथमिक शिक्षा की उपलब्धियां व्यापक बनाने पर ध्यान केंद्रित करती है। स्कूल छोड़ चुके बच्चों को फिर से मुख्यधारा में लाने के लिए 822 विशेष प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी), स्थापित किए गए हैं।
- एसटीसी में 37354 बच्चों को नामांकित किया गया है।

11.10 **एससीईआरटी**

एससीईआरटी/डीआईईटी में मौजूद बुनियादी ढांचे का विकास

- विश्वस्तरीय मानदंडों पर शिक्षकों का विकास और शिक्षाक्रांति को सशक्त बनाने के लिए एससीईआरटी ने 21 अक्तूबर 2022 को अपनी नई प्रशिक्षण शाखा की शुरूआत की। इसमें विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थाओं के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध हैं।
- राज्यों में आकलन अभ्यासों में व्यापक बदलाव तथा एनएएस, एसएलएएस के नेतृत्व में और समन्वय के उद्देश्य से आकलन प्रकोष्ठ (समग्र शिक्षा निधि के तहत) की स्थापना की गई है।
- उच्च गुणवत्ता की ई–सामग्री (संवाद, ऑडियो, वीडियो, ई–शैक्षणिक संसाधन), टेली कॉन्फ्रेंसिंग और प्रसारण सेवाओं के विकास के लिए स्टूडियो स्थापित किए गए हैं।

11.11 दिसंबर 2022 तक 20,645 अतिरिक्त क्लासरूम का निर्माण किया गया।

11.12 वर्ष 2022–23 के दौरान विशेष प्रशिक्षण केंद्रों में कुल नामांकनों की संख्या बढ़कर 37477 हो गई। जबकि 2021–22 के दौरान यह 25593 थी।

11.13 शत–प्रतिशत स्कूलों ने अपने सिलेबस में देशभक्ति पाठ्यक्रम लागू किया है।

12. नई पहल/गतिविधियां (2023–24)

12.1 **हॉबी हब**

इस कार्यक्रम के तहत सिंगल शिफ्ट और सामान्य शिफ्ट वाले 46 सरकारी स्कूलों में हॉबी हब स्थापित किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य स्कूल अवधि के बाद विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों के जरिये अपनी रूचि और क्षमता का विकास करने का अवसर देना है। स्कूलों की संख्या के बराबर यानि 46

इच्छुक शिक्षाविदों/लोगों/गैर सरकारी संगठनों द्वारा बच्चों के क्षमता विकास में मदद की जाएगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप यह कार्यक्रम स्कूलों को, सामान्य अध्यापन अवधि के बाद भी, पूरी क्षमता से अपने संसाधनों और बुनियादी ढांचे का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है। इन गतिविधियों में शास्त्रीय नृत्य, पश्चिमी नृत्य, थियेटर, फोटोग्राफी आदि शामिल हैं।

12.2 **प्रोजेक्ट वॉयसेज**

प्रोजेक्ट वॉयसेज कार्यक्रम शिक्षा निदेशालय के सभी स्कूलों में कक्षा 3 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए लागू की जा रही है। इसके अंतर्गत बच्चों को संवाद के जरिये अपने विचार साझा करने को प्रोत्साहित किया जाता है। वाद–विवाद, किसी विषय पर बिना किसी भय के तत्काल बोलने की कला, भाषण कला तथा उच्चारण और वर्तनी जैसी गतिविधियों के माध्यम से बच्चों का कौशल विकास किया जाता है।

12.3 शिक्षा निदेशालय के 30 चयनित सरकारी स्कूलों में संधारणीय विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की थीम पर विद्यार्थियों द्वारा तैयार आलेखों की ई–पत्रिका की पायलट परियोजना शुरू की गई है।

12.4 **स्कूल साइंस म्यूजियम की स्थापना**

बच्चों में विज्ञान के प्रति रूचि और उत्सुकता जागरूक करने के लिए चिराग एन्क्लेव के सरकारी स्कूल में स्कूल साइंस म्यूजियम स्थापित किया जाएगा। इस विज्ञान संग्रहालय को देखकर विद्यार्थी और शिक्षक विज्ञान के कई विषयों को आसानी के समझ सकेंगे।

12.5 **बेघर बच्चों के लिए आवासीय स्कूल की स्थापना**

सुविधावंचित बेघर बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार ने आधुनिक सुविधाओं के साथ आवासीय विद्यालय स्थापित करने का फैसला किया है। इन विद्यालयों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ–साथ भोजन और आश्रय भी उपलब्ध होगा।

12.6 **कक्षाओं को डिजिटल क्लासरूम में बदलना**ः अगले पांच वर्ष के अंदर स्कूलों की सभी कक्षाएं डिजिटल क्लासरूम में बदल दी जाएंगी।

12.7 **एससीईआरटी**

इस वर्ष एससीईआरटी ने एक वर्चुअल प्रबंधन सूचना प्रणाली स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की है– सेवारत शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन के लिए शिक्षक–प्रशिक्षण प्रबंधन प्रणाली (टीटीएमएस)। इससे पूरी दिल्ली में शिक्षक प्रशिक्षण में एकरूपता लाने और इसे आसानी से कार्यान्वित करने में मदद मिलेगी।

12.8 मिशन बुनियाद

शिक्षा सत्र 2023–24 में संबंधित उपदेशक द्वारा हिन्दी/उर्दू, अंग्रेजी और गणित के लिए नई एलईएम (शिक्षण संवृद्धि सामग्री) विकसित करने की प्रक्रिया जारी है। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए भी पहली बार एलईएम का विकास किया जा रहा है।

13. उच्च शिक्षा

13.1 सतत आर्थिक और सामाजिक विकास में उच्च शिक्षा की भूमिका महत्वपूर्ण है। ज्ञान उच्च शिक्षा की धुरी है। ज्ञान सृजन में निवेश और इसका प्रसार ऊंचे पारिश्रमिक वाले रोजगार और उत्पादकता वृद्धि की मुख्य कुंजी है। उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुसंधान के माध्यम से ज्ञान सृजित किया जाता है, शिक्षण के माध्यम से इसका प्रसार होता है और विद्यार्थियों द्वारा यह ग्रहण किया जाता है। उच्च शिक्षण संस्थान अपने विद्यार्थियों को विभिन्न कार्यक्रम उपलब्ध कराते हैं जिसका उद्देश्य उन्हें विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों के लिए तैयार करना, लंबे समय तक उसमें बने रहने में सक्षम बनाना और वैश्विक अर्थव्यवस्था में हो रहे बदलावों के अनुरूप बने रहने में सहयोग करना है।

सरकार बुनियादी ढांचा और फैकल्टी में निवेश, वंचित समुदायों के मुख्य धारा में समावेशन के लिए प्रशासनिक सुधार और संस्थागत बदलावों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करती रही है। उच्च शैक्षणिक संस्थाओं में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए हाल में कई नवाचारी कार्यक्रम शुरू किए गए हैं जैसे इनक्यूवेशन सेंटर की स्थापना और विद्यार्थियों की उद्यमिता प्रतिभा विकसित करना। शैक्षणिक संस्थानों को विश्वस्तरीय बनाकर कौशल विकास को बढ़ावा देना सरकार का प्राथमिक क्षेत्र है।

बजट में उच्च शिक्षा के लिए आवंटन वर्ष 2021–22 के 619.93 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2022–23 में 981.94 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

13.2 दिल्ली में वर्ष 2021–22 में कुल 245 उच्च शिक्षा संस्थान थे। जिनका ब्योरा नीचे दिया गया है–

विवरण 15.14

दिल्ली में उच्च शिक्षा संस्थान

क्र सं	संस्थान	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
1.	विश्वविद्यालय	12	12	12	13	13	14	16
2.	विश्वविद्यालय के रूप में समकक्ष संस्थान	12	11	11	11	11	9	8
3.	राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थान	3	4	4	4	4	5	6
4.	सामान्य शिक्षा संबंधी कॉलेज	84	84	85	90	90	91	90
5.	व्यावसायिक शिक्षा संबंधी कॉलेज	100	102	107	100	100	103	125
	कुल	**211**	**213**	**219**	**218**	**218**	**222**	**245**

स्रोत :डीएचई–एआईएसएचई पोर्टल सर्वे वर्ष 2022–23 तथा विश्वविद्यालय पत्र (डीयू और जीजीएसआईपीयू)

नोट : कॉलेजों की संख्या में वृद्धि/कमी वर्ष विशेष में कॉलेजों को संबद्धता दिए जाने के कारण है।

13.3 विवरण 15.14 से पता चलता है कि दिल्ली में उच्च शिक्षा संस्थानों में से करीब 51 प्रतिशत व्यावसायिक शिक्षा संस्थाओं की श्रेणी में आते हैं. इसके बाद करीब 37 प्रतिशत संस्थान सामान्य शिक्षा संस्था श्रेणी में और बाकी 12 प्रतिशत विश्वविद्यालय/डीम्ड विश्वविद्यालय/राष्ट्रीय महत्व के संस्थान हैं।

विवरण 15.15
उच्च शिक्षा में कुल दाखिले (2018–19 से 2020–21)

(लाख में)

वर्ष	उच्च शिक्षा में कुल दाखिले		महिलाओं के दाखिले		दखिलों में महिलाओं का प्रतिशत	
	दिल्ली	अखिल भारत	दिल्ली	अखिल भारत	दिल्ली	अखिल भारत
2018-19	10.77	373.99	5.28	181.89	49.02	48.63
2019-20	10.99	362.53	5.43	177.19	49.41	48.88
2020-21	10.89	383.04	5.33	185.47	48.94	48.42

स्रोत : *उच्च शिक्षा के बारे में अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई) पोर्टल सर्वे वर्ष 2020–21*

13.4 विवरण 15.15 से स्पष्ट है कि उच्च शिक्षा में महिलाओं का नामांकन बढ़ता जा रहा है

विवरण 15.16
उच्च शिक्षा में विभिन्न स्तरों के पाठ्यक्रमों में स्त्री–पुरुष समानता सूचकांक

	2020-21	
स्तर	दिल्ली	अखिल भारत
स्नातक	0.90	0.94
स्नातकोत्तर	1.40	1.29
स्नातकोत्तर डिप्लोमा	0.77	0.78
एम.फिल.	0.97	1.64
पी–एच.डी	0.91	0.82
डिप्लोमा	0.82	0.55
सर्टिफिकेट	0.84	0.84
एकीकृत	0.60	0.81

स्रोत : उच्च शिक्षा में नामांकन के बारे में अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई) रिपोर्ट 202.–21 के आंकड़ों के आधार पर परिकलित

13.5 स्त्री–पुरुष समानता सूचकांक (जीपीआई) उच्च शिक्षा में दाखिला लेने वाली महिलाओं का पुरुष दाखिले की तुलना में अनुपात है। यह शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर स्त्री– पुरुष समानता की स्थिति दर्शाता है, समाज में महिलाओं के सशक्तीकरण को दर्शाने वाला महवत्पूर्ण संकेतक है। इस सारणी से स्पष्ट हो जाता है कि दिल्ली में स्नातकोत्तर, पी.एच.डी. और डिप्लोमा स्तर पर जीपीआई राष्ट्रीय स्तर से बेहतर है।

13.6. दिसंबर 2022 तक उच्च शिक्षा के संदर्भ में प्रमुख उपलब्धियां:

13.6.1 गुरू गोविंद सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय

- गुरू गोविंद सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के पूर्वी परिसर का परियोजना कार्य 271 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से अगस्त 2017 में शुरू किया गया था। इसमें से 41 करोड़ रुपए डीएचई, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा वहन किए जाने थे। अब यह परियोजना संशोधित हो गई है और अनुमानित लागत 386.83 करोड़ रुपए है। वर्तमान में परियोजना का 97 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है।
- सेक्टर 16 सी द्वारका में इस विश्वविद्यालय के दूसरे चरण के परिसर के निर्माण प्रस्ताव भी प्रक्रियाधीन है।

13.6.2 डॉक्टर बी.आर आम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली

विश्वविद्यालय के दो नए परिसर धीरपुर और रोहिणी में 20 हेक्टेयर और 7.3 हेक्टेयर भूमि के आवंटित प्लॉट पर बनाए जाने की योजना है। इनके लिए प्रस्ताव ईएफसी द्वारा अनुमोदित हो चुका है। धीरपुर परिसर की अनुमानित लागत 1199.02 करोड़ रूपए है और रोहिणी परिसर की अनुमानित लागत 1107. 56 करोड़ रुपए है। आवश्यक अनुमोदन मिलने के बाद दोनों परियोजनाएं तीन वर्ष में पूरी हो जाने का अनुमान है। माननीय उप मुख्यमंत्री/उच्च शिक्षा मंत्रालय के अनुमोदन के लिए मसौदा कैबिनेट नोट तैयार किया जा रहा है। इस परियोजना के 2022–23 से शुरू होने की उम्मीद है। धीरपुर कैंपस बन जाने के बाद इसमें 16040 विद्यार्थियों और रोहिणी परिसर में 9900 विद्यार्थियों के समायोजित होने का अनुमान है।

13.6.3 राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय

पूंजीगत परियोजना : राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय द्वारका दिल्ली में विद्यार्थियों के लिए छात्रावास निर्माण की योजना बना रहा है।

13.6.4 दिल्ली खेलकूद विश्वविद्यालय

वर्तमान में दिल्ली खेल कूद विश्वविद्यालय लुडलो कैसल खेलकूद परिसर, 4, शामनाथ मार्ग दिल्ली से संचालित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक स्टाफ और प्रशिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है। शिक्षा सत्र 2022–23 के लिए प्रवेश प्रक्रिया चल रही है।

पूंजीगत परियोजना : विश्वविद्यालय का स्थाई परिसर घेवरा मोड़, ग्राम हिरनकुदना (मुंडका के निकट), दिल्ली में स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है।

13.6.5 दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय

दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय भारत का पहला और एकमात्र विश्वविद्यालय है जिसकी स्थापना अध्यापन शिक्षा में उत्कृष्टता को बढावा देने के उद्देश्य से की गई है। यह दिल्ली के सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के दिल्ली सरकार के लक्ष्य को स्पष्ट करता है।

मंत्रिपरिषद ने मंत्रिमंडलीय निर्णय संख्या 3061, दिनांक 20.12.2021 द्वारा दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय विधेयक के कैबिनेट नोट मसौदे का अनुमोदन किया। इसे दिल्ली विधानसभा ने जनवरी 2022 में पारित किया था। इसके अनुसार दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय अधिनियम 2022, 10 जनवरी 2022 को अधिसूचित किया जा चुका है। दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय की स्थापना 26.01.2022 को दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय अधिनियम 2022 के माध्यम से दिनांक 25.01.2022 की गजट अधिसूचना के जरिये हुई।

वर्तमान में यह विश्वविद्यालय ओटरम लेन परिसर, मुखर्जीनगर नई दिल्ली से कार्यरत है। डीटीयू वर्तमान में दो वर्ष और तीन वर्ष के एकीकृत बी.एड, एम.एड कार्यक्रम और अन्य पाठ्यक्रमों के लिए एनसीटीई से अनुमोदन प्राप्त करने की प्रक्रिया में है।

पूंजीगत परियोजना : विश्वविद्यालय का स्थाई परिसर दिल्ली के गांव बक्करवाला में ग्राम सभा की लगभग 12 एकड़ जमीन पर स्थापित किया जाना है।

13.6..6 डीएचई ट्रस्ट के तहत योजनाएं :

डीएचई के अंतर्गत दिल्ली उच्च शिक्षा सहायता ट्रस्ट की निधि से वित्तपोषित ''प्रतिभा सह माध्यम से जुड़ी वित्तीय सहायता स्कीम''–

इस योजना के तहत 9 राज्य विश्वविद्यालयों और उनके सम्बद्ध कॉलेजों में स्नातक पाठ्यक्रमों में नामांकित विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्ड वाले विद्यार्थी अपनी ट्यूशन फीस के 100 प्रतिशत के बराबर सहायता प्राप्त कर सकते हैं। खाद्य सुरक्षा योजना के तहत नहीं आने वाले विद्यार्थी, जिनके परिवार की वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये से कम है, ट्यूशन फीस के 50 प्रतिशत के बराबर सहायता पा सकते हैं। 2.50 लाख रुपये से 6 लाख रुपये प्रतिवर्ष की आमदनी वाले परिवार के विद्यार्थी ट्यूशन फीस के 25 प्रतिशत के बराबर लाभ पाने के पात्र होंगे। वित्तीय सहायता पाने के लिए विद्यार्थियों को पिछले क्लास में 60 प्रतिशत अंक मिला होना चाहिए। अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के लिए अंक सीमा में 5 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। वर्ष 2021–22 के दौरान इस योजना के तहत 11379 आवेदन प्राप्त हुए इनके सत्यापन की प्रक्रिया जारी है।

दिल्ली उच्च शिक्षा और कौशल विकास गारंटी स्कीम :

उच्च शिक्षा निदेशालय वर्ष 2015–16 से ''दिल्ली उच्च शिक्षा और कौशल विकास ऋण गारंटी स्कीम'' चला रहा है। इसके तहत विद्यार्थी 10 लाख रुपए तक का शिक्षा ऋण ले सकते हैं जिसके लिए दिल्ली उच्च शिक्षा और कौशल विकास ऋण गारंटी निधि ट्रस्ट से बैंकों को गारंटी उपलब्ध कराई जाएगी।

14 तकनीकी शिक्षा

14.1 राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार ने युवाओं और कार्यरत आबादी के कौशल विकास संवर्द्धन के लिए अनेक पहल की है। इसका उद्देश्य उद्योगों में कुशल मानव शक्ति की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर पाटना, वर्तमान नवाचारी सोच और उद्यमिता को बढावा देना तकनीकी और व्यवसायिक प्रशिक्षण की रूपरेखा तय करना, विद्यार्थियों की प्रवेश क्षमता बढ़ाना और इन्क्यूवेशन सेंटर गठित करना है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार तकनीकी संस्थानों और विश्वविद्यालयों को विशेष अनुसंधान सहायता के माध्यम से अधिक से अधिक शोध के लिए प्रोत्साहित करती रही है।

14.2 प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा विभाग को उद्योगों की आवश्यकताएं पूरी करने और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के नियोजित विकास के लिए प्रशिक्षित तकनीकी कौशल प्राप्त मानव शक्ति उपलब्ध कराने का दायित्व सौंपा गया है। विभाग ने तकनीकी शिक्षा विकास और कौशल विकास को उच्च प्राथमिकता दी है। इस उद्देश्य के लिए उच्च शिक्षा बुनियादी ढांचा विकास, नए पाठ्यक्रम शामिल करने, बेहतर रोजगार अवसर और उद्यमिता विकास के उद्देश्य से सुलभ और गुणवत्तापूर्ण तकनीकी और व्यवसायिक पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने और फैकल्टी विकास कार्यक्रम जैसे कई उपाय किए गए हैं।

14.3 दिल्ली सरकार ने तकनीकी शिक्षा में छह राज्य विश्वविद्यालयों की स्थापना की है। ये हैं– दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू), इंदिया गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय (आईजीडीटीयूडब्ल्यू), इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (आईआईआईटी–डी), दिल्ली औषधि विज्ञान और अनुसंधान विश्वविद्यालय (डीपीएसआरयू), नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एनएसयूटी) और दिल्ली कौशल उद्यमिता विश्वविद्यालय (डीएसईयू)। इनके अलावा प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत एक डिग्री स्तर का संस्थान (कला महाविद्यालय), 8 पॉलिटेक्निक (निजी और सहायता प्राप्त) और 52 आईटीआई (सरकारी और निजी) जैसे कुल 60 तकनीकी संस्थान–सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और पीएचडी तक की डिग्री सहित विभिन्न स्तरों पर तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। विवरण नीचे दिया गया है।

14.3.1 **दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू),** जो पहले दिल्ली कॉलेज आफ इंजीनियरिंग (डीसीई) के नाम से जाना जाता था, दिल्ली का एक राज्य विश्वविद्यालय है। इसकी स्थापना दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) के रूप में की गई थी जो जुलाई 2009 से प्रभावी है। इस विश्वविद्यालय का लक्ष्य विज्ञान, अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और उभरते सहयोगी क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना करना है तथा इन्क्यूबेशन, उत्पाद विकास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और उद्यमिता के लिए एक पारिस्थितिकीय प्रणाली को बढ़ावा देना है। विभिन्न तकनीकी और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में इस विश्वविद्यालय की प्रवेश क्षमता 2022–23 के दौरान 4596 विद्यार्थी है।

14.3.2 **नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एनएसयूटी)**, दिल्ली में एक राज्य विश्वविद्यालय है। दिल्ली विश्वविद्यालय के संबद्ध यह संस्थान वैश्विक पहचान का एक प्रमुख विश्वविद्यालय है जो प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रमों में हाइटेक पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है। विश्वविद्यालय सक्षम नवाचारी तथा राष्ट्र और समाज सेवा में अग्रणी नेता तैयार करने के लिए

अनुसंधान और विकास परामर्श तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यक्रम भी संचालित करता है। शैक्षणिक वर्ष 2022—23 के दौरान इस विश्वविद्यालय की प्रवेश क्षमता 3946 विद्यार्थी है।

14.3.3 **दिल्ली औषधि विज्ञान और अनुसंधान विश्वविद्यालय (डीआईपीएसआरयू)**, एक राज्य विश्वविद्यालय और देश का पहला फार्मेसी विश्वविद्यालय है। इस विश्वविद्यालय ने शिक्षा सत्र 2015—16 से काम करना शुरू किया। यह शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए एक उत्कृष्ट संस्थान है जो चिकित्सा/स्वास्थ्य और औषधि विज्ञान में विभिन्न डिप्लोमा, यूजी, पीजी और पीएचडी पाठ्यक्रम में अनुसंधान की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। 2022—23 के दौरान इस विश्वविद्यालय की प्रवेश क्षमता 1137 है।

14.3.4 **इंदिरा गांधी महिला तकनीकी विश्वविद्यालय (आईजीडीटीयूडब्ल्यू)**, की स्थापना मई 2013 में इंदिरा गांधी दिल्ली तकनीकी महिला विश्वविद्यालय के तहत की गई। आईजीडीटीयूडब्ल्यू अभायांत्रिकी, विज्ञान, प्रबंधन और स्थापत्य कला क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करता है। यह विद्यार्थियों के शैक्षणिक अनुभव को समग्र और बहुआयामी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान में विश्वविद्यालय के तहत सात विभाग कार्यरत हैं, जो कंप्यूटर साइंस, आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल एंड ऑटोमेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्थापत्य और प्रबंधन में यूजी, पीजी और डॉक्टरेट पाठ्यक्रम उपलब्ध कराते हैं। विश्वविद्यालय की प्रवेश क्षमता 2022—23 में 1275 है।

14.3.5 **इन्द्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (आईआईटी—डी)**, की स्थापना दिल्ली अधिनियम 2007 के तहत 2008 में की गई थी। इसे अनुसंधान और विकास तथा डिग्री प्रदान करने के लिए अधिकृत किया गया। इस संस्थान ने सुदृढ़ शोध संस्कृति विकसित की है और नवाचारी शिक्षा कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित किया है। आईआईटी दिल्ली में वर्तमान समय में 6 विभाग कार्यरत हैं — कम्प्यूटर साइंस, इलेक्ट्रानिक्स और संचार, कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी, मानव केंद्रित डिजाइन, सामाजिक विज्ञान और ह्यूमेनिटीज तथा गणित। यह संस्थान सतत विकास और रूपांतरण की ओर दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है तथा वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त संस्थान का दर्जा हासिल कर रहा है। वर्ष 2022—23 के दौरान इस विश्वविद्यालय की प्रवेश क्षमता 934 है।

14.3.6 **दिल्ली कौशल और उद्यमिता विश्वविद्यालय (डीएसईयू)** की स्थापना राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा अगस्त 2020 में की गई थी। इसका लक्ष्य विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय कौशल शिक्षा से लैस करना है ताकि वे बेहतर रोजगार पा सके और उद्यमिता क्षमता विकसित कर सकें। डीएसईयू का उद्देश्य कौशल प्रशिक्षण में मौजूदा अंतराल को भरकर युवाओं और उद्योगों के लिए अनुकूल स्थिति लाना है। विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम उद्योंगों की आवश्यकताओं से प्रेरित हैं और इनसे स्नातकों को अपनी करियर में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक तैयारी में मदद मिलेगी। यह विश्वविद्यालय दिल्ली में अपने 19 कैंपस के माध्यम से सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री और पोस्ट ग्रेजुएशन स्तर पर पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है। शिक्षा वर्ष 2022—23 में इसकी प्रवेश क्षमता 7933 है।

तकनीकी शिक्षा में सीटों की उपलब्धता प्रवेश चाहने वालों की तुलना में सीमित है और दिल्ली सरकार बुनियादी ढांचे में विकास कर प्रवेश क्षमता बढ़ाने का लगातार प्रयास कर रही है। प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में तकनीकी और व्यवसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश क्षमता विवरण 15.17 में दर्शाई गई है। पिछले सात वर्षों में इस क्षमता में महत्वपूर्ण

बढोतरी हुई है और यह 2016–17 के 6513 से बढ़कर 2022–23 में 20069 हो गई है। यह बढोतरी लगभग 208 प्रतिशत है।

विवरण–15.17

कॉलेजों और विश्वविद्यालय में तकनीकी और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश क्षमता

क्र.सं	संस्थान	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
1.	दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) (पूर्वी परिसर सहित)	2843	3689	3814	3790	5000	5100	4596
2.	नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एनएसयूटी)	1033	1051	1175	1521	1696	2788	3946
3.	इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय (आईजीडीटीयूडब्ल्यू)	689	689	618	710	1113	1275	1275
4.	इन्द्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगकी संस्थान दिल्ली (आईआईआईटी–डी)	444	546	612	660	859	878	934
5.	जीबी पंत राजकीय इंजीनियरी कॉलेज (जीबीपीजीईसी)	225	180	210	220	NIL	-	-
6.	आम्बेडकर उच्च संचार प्रौद्योगिकी और अनुसंधान संस्थान (एआईएसीटीएंडआर)	252	252	252	270	-	-	-
7.	चौधरी ब्रह्म प्रकाश राजकीय इंजीनियरी कालेज (सीएच. बीपीजीईसी)	148	120	134	180	250	-	-
8.	दिल्ली उपकरण इंजीनियरी संस्थान (डीआईटीई)	258	258	138	140	180	-	-
9.	दिल्ली औषधि विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान (डीआईपीएसएआर)	215	235	241	150	-	-	-
10.	दिल्ली औषधि विज्ञान और अनुसंधान विश्वविद्यालय (डीपीएसआरयू)	175	173	310	410	530	1097	1137
11.	कला महा विद्यालय (सीओए)	231	239	343	343	402	Nil	248*
12.	दिल्ली कौशल और उद्यमिता विश्वविद्यालय	-	-	-	-	-	6258	7933
	कुल	**6513**	**7432**	**7847**	**8394**	**10030**	**17396**	**20069**

टिप्पणी :

1. एआईएसीटीएंडआर और चौधरी बीपीजीईसी एनएसयूटी के साथ मिला दिए गए हैं, और इनका डेटा एनएसयूटी में दर्शाया गया है।
2. डीआईपीएसएआर को डीपीएसआरयू के साथ मिला दिया गया है और डेटा डीपीएसआरयू में दर्शाया गया है।
3. डीआईटीई और जीबीटीईसी का विलय डीएसईयू में कर दिया गया है और डेटा अलग से दर्शाया गया है।
4.* कला महाविद्यालय में बीएफए–2022–23 के लिए प्रवेश प्रक्रिया अभी प्रक्रियाधीन है।

चार्ट 15.3

महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में तकनीकी और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश क्षमता

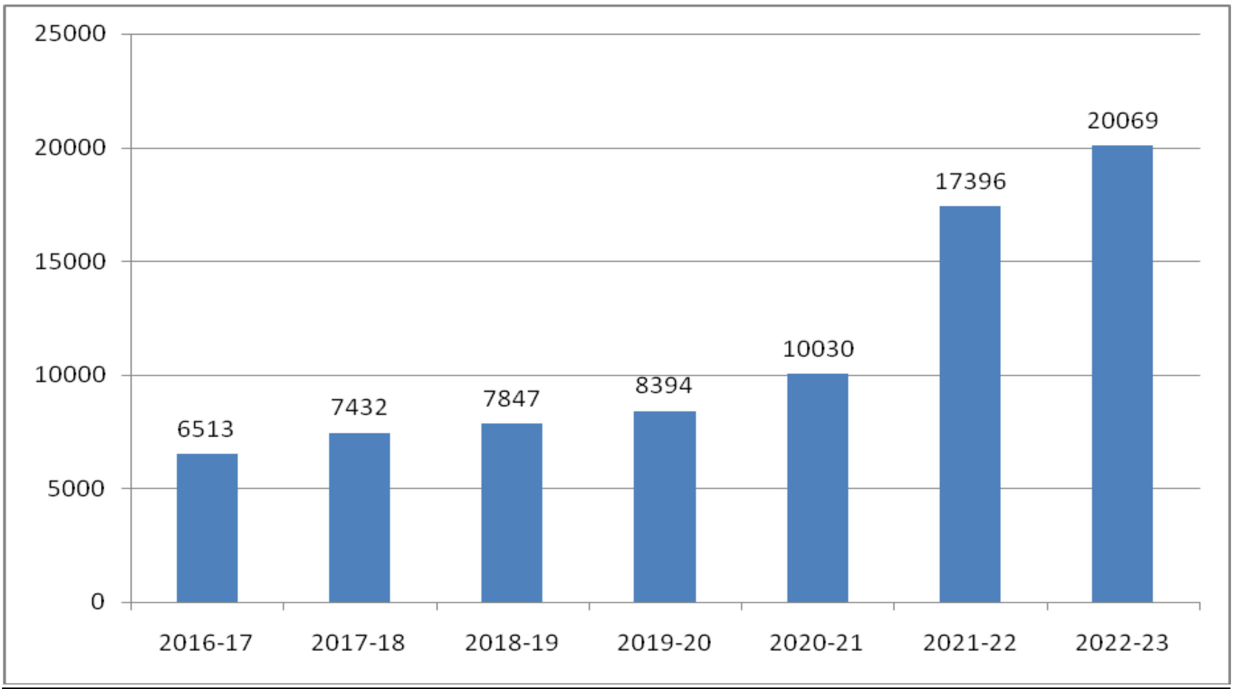

विवरण 15.18

2016–17 से 2022–23 के दौरान दिल्ली में तकनीकी संस्थान

क्र सं	तकनीकी संस्थान	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
1	औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान	19	19	19	19	19	19	19
2	औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र	63	63	63	40	33	33	33
3	प्राथमिक प्रशिक्षण केंद्र	1	1	1	1	NA	0	0
4	व्यवसायिक खंड संस्थान	1	1	1	1	--	0	0
5	प्रौद्योगिकी संस्थान (पॉलीटेक्निक)	19	19	19	19	18	8 (निजी+ सहायता प्राप्त)	8 (निजी+ सहायता प्राप्त)
6	विश्वस्तरीय कौशल उन्नयन केंद्र	1	1	7	7	7	0	0
	कुल	**104**	**104**	**110**	**87**	**77**	**60**	**60**

स्रोत : तकनीकी शिक्षा निदेशालय, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार

टिप्पणी प्रौद्योगिकी संस्थान (पॉलिटेक्नीक) और डब्ल्यूसीएससी को वर्ष 2021–22 के दौरान डीएसइयू में मिला दिया गया।

विवरण 15.19

दिल्ली के तकनीकी संस्थानों में विद्यार्थी : 2016–17 से 2022–23

क्रस	तकनीकी संस्थान	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
1	औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान	12771	11672	11792	10241	10960	11020	11336
2	औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र	4427	3747	3672	3720	6128	5478 (लगभग)	4408
3	बुनियादी प्रशिक्षण केंद्र	681	680	754	765	एनए	एनए	एनए
4	व्यवसायिक खंड संस्थान	118	0	0	0	--	--	--
5	प्रौद्योगिकी संस्थान (पॉलिटेक्निक)	15568	14540	15023	16770	7934	637 (निजी)	473 (निजी)
6	विश्वस्तरीय कौशल उन्नयन केंद्र	630	612	683	690	शून्य	--	--
कुल		**34195**	**31251**	**31924**	**32186**	**25022**	**17135**	**16217**

स्रोत : तकनीकी शिक्षा निदेशालय, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार

टिप्पणी 1. प्रौद्योगिकी संस्थान (पॉलिटेक्नीक) और डब्ल्यूसीएससी को वर्ष 2021–22 के दौरान डीईएसय में मिला दिया गया।

2. 04–01–2023 को पॉलिटेक्निक में दर्शाए गए विद्यार्थी डीटीटीई के तहत निजी संस्थानों के हैं।

चार्ट : 15.4

2016–19 से 2022–23 तक दिल्ली के तकनीकी संस्थानों में विद्यार्थी की संख्या

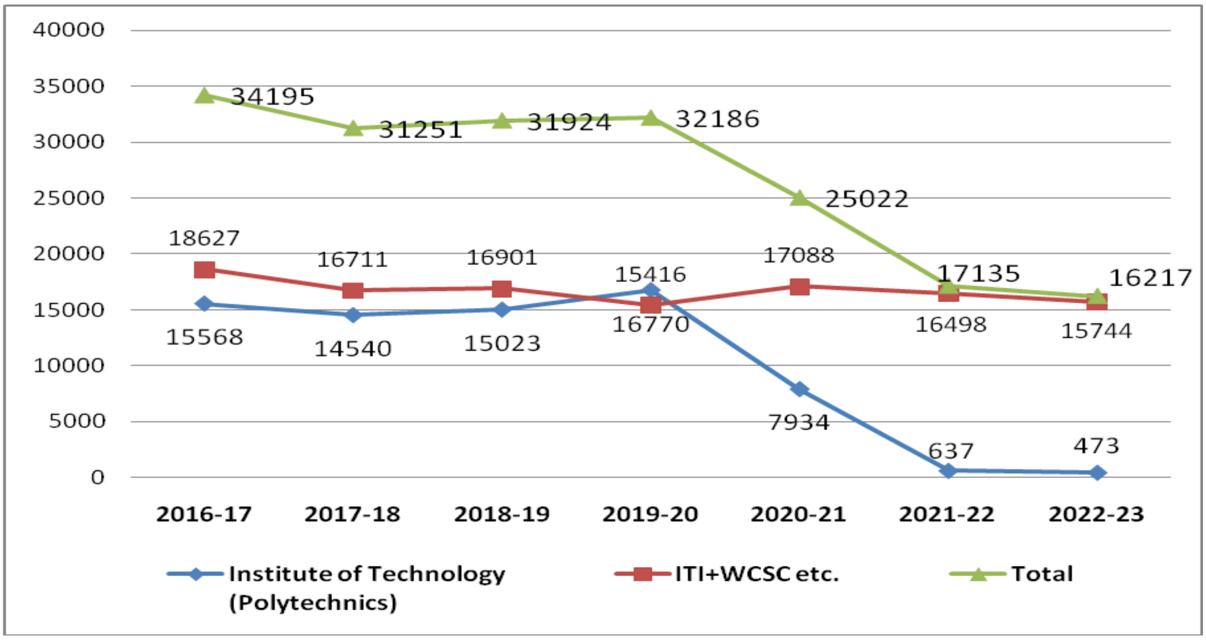

➢ इन्क्यूबेशन केंद्रों की स्थापना

रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार ने युवाओं को नए उद्यमों की स्थापना (स्टार्ट अप्स) के लिए प्रोत्साहित करने और उन्हें रोजगार खोजने वाले की बजाए रोजगार देने में सक्षम बनाने के लिए राज्य इन्क्यूबेशन नीति मंजूर की है। 11 इन्क्यूबेशन सेंटर पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। दिल्ली सरकार ने प्रत्येक

तकनीकी और उच्च शिक्षा संस्थान को अपेक्षित बुनियादी ढांचा कायम करने, कम्प्यूटरों आदि की खरीद और सहयोग एवं नवाचार का वातावरण बनाने के लिए 1.5 करोड़ रुपये दिए थे। इन्क्यूबेशन नीति की धारा 8 के अनुसार कंपनियों का गठन इन्क्यूबेटरों के लिए होल्डिंग कंपनी के रूप में किया गया है और प्रतिभागी संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर के लिए किया गया है ताकि परिसर के भीतर इन्क्यूबेशन सेंटरों की स्थापना में सहायता मिले। मौजूदा समय तक कुल 159 इन्क्यूबेट, इन केंद्रों में काम कर रहे थे। संस्थानवार सूची नीचे दी गई है–.

सरकारी सहयोग/कोष का उपयोग कर रहे विभिन्न विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों/संस्थानों में स्थापित इन्क्यूबेशन केंद्र/स्टार्टअप की अद्यतन स्थिति

क्र.सं	इन्क्यूवेशन केंद्र का नाम	स्टार्टअप की संख्या (30 नव. 2022)	जारी सीड मनी (2022 तक)
1.	एआईएसीटीआर इन्क्यूवेशन और अनुसंधान फाउंडेशन	5	1.52 करोड़
2.	स्टार्ट फाउंडेशन में एएनडीसी	13	2.29 करोड़
3.	एयूडी इन्क्यूवेशन नवाचार और उद्यमिता केंद्र	14	3.16 करोड़
4.	बीपीआईबीएस ज्ञान और नवाचार फाउंडेशन	3	1.67 करोड़
5.	डीपीएसआरयू इनोवेशन और इन्क्यूवेशन फाउंडेशन (डीआईआईएफ)	15	2.53 करोड़
6.	डीडटीयू इनोवेशन एंड इन्क्यूवेशन फाउंडेशन	33	1.86 करोड़
7.	आईजीडीटीयूडब्ल्यू–अन्वेषण फाउंडेशन	17	2.75 करोड़
8.	आईआईआईटी–दिल्ली इनोवेशन एंड इन्क्यूवेशन सेंटर	28	3.06 करोड़
9.	एनएसयूटी इन्क्यूवेशन एंड इनोवेशन फाउंडेशन (एनएसयूटी–आईआईएफ)	12	2.18 करोड़
10.	एसएससीबीएस इनोवेशन एंड इन्क्यूवेशन फाउंडेशन (एसआईआईएफ)	19	2.76 करोड़
11.	डीआईटीई	0	0.83 करोड़
	कुल	**159**	**24.61 करोड़ लगभग**

- 2022–23 में तकनीकी शिक्षा के संदर्भ में प्रमुख उपलब्धियां (दिसंबर 2022 तक)

1. दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) फेज 2 का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है जिसमें नौमंजिल के दो अकादमिक ब्लॉक और बारह मंजिल के तीन छात्रावास ब्लॉक हैं। इससे 3000 विद्यार्थियों के लिये शैक्षणिक बुनियादी ढांचा उपलब्ध होगा। अतिरिक्त 660 लड़कियों और 350 लड़को के लिये छात्रावास इस वर्ष बनकर तैयार हो जाने की आशा है।

2 दिल्ली औषधि विज्ञान और अनुसंधान विश्वविद्यालय अक नया पाठ्यक्रम बीएससी जैव चिकित्मा विज्ञान शिक्षा सत्र 2022–23 से आरंभ किया गया है और बीएससी नर्सिंग सत्र 2023–24 से शुरु किये जाने की संभावना है डीपीएसआररयू अनुसंधान आधारित पाठ्यक्रमों से अपना विस्तार कर रह है और इसने कुछ प्रिसिजन उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित किये हैं, जैसे सेंटर फॉर प्रिसिजन मेडिसिन डीएसआईआर प्रोजेक्ट और डीआईआईएफ प्रोजेक्ट।

3 नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने आंबेडकर उन्नत संचार प्रौद्योगिकी और अनुसंधान संस्थान, गीता कॉलोनी और चौधरी ब्रह्म प्रकाश राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, जफरपुर के साथ मिलकर उभरते क्षेत्र के पाठ्यक्रम शुरु किये हैं जैसे बी आर्क., बी टेक (जियोइंफॉर्मैटिक्स), बी टेक (सीएसई–आईओटी), बी टेक (सीएस इन बिग डेटा एनालिसिस), बी टेक (इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्निकेशन इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग)।

4 जीबी पंत एकीकृत परिसर 526 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित किया जा रहा है। इसमें 193641.41 वर्ग मीटर का निर्मित क्षेत्र जुड़ जाने से 3000 विद्यार्थियों को डिप्लोमा और डिग्री पाठ्यक्रमों में समायोजित किया जा सकेगा।

5 महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में तकनीकी और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों कुल प्रवेश क्षमता में पिछले वर्ष की तुलना में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी हुई है और यह 2021–22 के 17396 से बढ़कर 2022–23 में 20069 हो गयी है।

अध्याय एक नजर में

➢	नयी शिक्षा नीति 2020 भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में बहुविषयक अकादमिक और अनुसंधान के नियमन, संचालन और संवर्द्धन में प्रणालीबद्ध और संस्थागत सुधार पर बल देती है।
➢	दिल्ली में 5619 मान्यता प्राप्त स्कूल हैं जिसमें लगभग 45.72 लाख विद्यार्थी पढ़ते हैं। दिल्ली में दिल्ली सरकार के कुल 1250 सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल हैं जो यहां चल रहे कुल स्कूलों का 22.24 प्रतिशत हैं। जबकि सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में नामांकन वर्ष 21–22 के दौरान हुए कुल नामांकन का 41.64 प्रतिशत है।
➢	स्कूली शिक्षा प्रणाली में उच्च स्तर की अभिनव शिक्षण रणनीतियों ने दिल्ली के शिक्षा मॉडल को अनूठा बना दिया है। इस मॉडल के तहत शिक्षा रोचक और आनंदप्रद होने से बच्चों के शिक्षण अनुभव में लगातार सुधार हो रहा है।
➢	समग्र शिक्षा भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसके तहत शिक्षकों की भर्ती, बुनियादी ढांचा, प्रशिक्षण, पाठ्य पुस्तकें इत्यादि के लिये सहायता उपलब्ध करायी जाती है।
➢	''प्रोजेक्ट वॉयसेज'' शिक्षा निदेशालय के सभी स्कूलों में कक्षा 3 से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों के लिये शुरु किया जा रहा है ताकि वे बोल कर अपने विचारों को अभिव्यक्ति दे सकें। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में कौशल विकसित करने का प्रयास है जिससे वे निर्भीक होकर बाद विवाद, धारा प्रवाह बोलने, भाषण तथा वर्तनी उच्चारण इत्यादि में निपुण हो सकें।

➢	सरकार बुनियादी ढांचा और फैकल्टी में निवेश, वंचित समुदायो के समावेशन के लिये संचालन प्रशासन और संस्थागत सुधारों के माध्यम से गुणवत्ता पूर्ण उच्च शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करती रही है।
➢	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार ने युवाओं में उद्यमिता विकास को बढ़ावा देने के लिये राज्य इनक्यूबेशन नीति अनुमोदित की है ताकि वे अपना स्टार्ट अप लगा सकें और रोजगार की तलाश करने के बदले रोजगार प्रदान करने की क्षमता विकसित कर सकें।
➢	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा जरूरी बुनियादी ढाचे और कम्प्यूटिंग संसाधन के विकास तथा समन्वय और नवाचार का माहौल बनाने के लिये प्रत्येक तकनीकी और उच्च शिक्षण संस्थानों को 1.5 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया।